ॐ

~~~~~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय ।

कक्षा-नवम्   विषय- हिन्दी

दिनांक—10/09/2020   कृतिका(रीढ़ की हड्डी)

~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~~

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

एन सी इ आर टी पर आधारित

रीढ़ की हड्डी

--जगदीश चन्द्र माथुर

(सन् 1917-1978)

रीढ़ की हड्डी एकांकी का उद्देश्य-

इस एकांकी के माध्यम से भारत के समाज में स्त्रियों की शिक्षा पर जोर दिया गया है| शिक्षा के माध्यम से ही समाज की स्थिति को सुधारा जा सकता है| स्त्रियों के अधिकारों के प्रति जागरूकता पैदा हो इस आधार पर रीढ़ की हड्डी एकांकी का उद्देश्य पूर्ण होता है| लेखक ने समाज में हो रहे लड़कियों की उपेक्षा पर ध्यान आकर्षित किया है| समाज की कमजोरी है, कि नारी शिक्षा को फालतू बताया है ।उन लोगों की ओर लेखक का इशारा है जिन लोगों ने स्त्रियों को पुरुषों की तुलना में कुछ समझा नहीं है।स्त्री को केवल एक वस्तु समझते हैं। पुरुषों की पक्षपाती शादी- विवाह के अवसर पर वैवाहिक संबंध करते समय लड़कियों के साथ पशुवत व्यवहार किया जाता है| एक चीज, वस्तु की तरह मोलभाव किया जाता है, उसका निरीक्षण किया जाता है, जैसे मेज कुर्सी भेजी जाती हो उस वक्त मेज कुर्सी से पूछा नहीं जाता बिल्कुल लड़कियों की शादी तय करते समय लड़कियों को भी पूछा नहीं जाता है| इस एकांकी के माध्यम से लड़का और लड़की में भेदभाव करने वाले लोगों के सामने समाज का आईना दिखाकर ऐसे लोगों की मनोवृति पर कुठाराघात किया है, तो दूसरी और नारी शिक्षा नारी का व्यक्तित्व नारी स्वतंत्रता पर अपने विचारों को व्यक्त किया है।

****

धन्यवाद

कुमारी पिंकी “कुसुम”